MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
नवंबर 2024
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

श्री अजीत कुमार साहू, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईसी, तिलहन और ऑयल पाम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मैनेज का दौरा किया

श्री अजीत कुमार साहू, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईसी, तिलहन और ऑयल पाम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 15 नवंबर, 2024 को मैनेज का दौरा किया।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), एवं निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने उनका स्वागत किया तथा मैनेज की गतिविधियों पर एक व्यापक प्रस्तुति दी।

संभावित सहयोग पर चर्चा करते हुए, श्री अजीत कुमार साहू, आईएएस ने मैनेज को भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईओआर) के साथ मिलकर सलाहकार सेवाएं विकसित करने और मास्टर ट्रेनरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने का सुझाव दिया। इस पहल में मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम बनाना शामिल था, जो बाद में अधिकारियों और किसानों को प्रशिक्षित करेगा। उन्होंने इन सलाहकार सेवाओं को प्रभावी ढंग से डिजाइन करने और लागू करने के लिए विस्तार को एक मंच के रूप में उपयोग करने का सुझाव दिया।

मैनेज संकाय सदस्यों और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अंक में.....

• श्री अजीत कुमार साहू, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईसी, तिलहन और ऑयल पाम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने मैनेज का दौरा किया	1
• लिंग-संवेदनशील कृषि विस्तार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: महिला किसानों को सशक्त बनाना	3 &4
• मैनेज राष्ट्रीय कार्यक्रम: उमियम में कृषि विस्तार में नई क्षमताओं का निर्माण	5
• मैनेज: जम्मू और कश्मीर में सतत विकास के लिए क्षमता निर्माण के माध्यम से एफपीओ को सशक्त बनाना	6
• कृषि में कार्बन क्रेडिट पर राष्ट्रीय कार्यशाला	7
• मैनेज को हिंदी भाषा कार्यान्वयन और तकनीकी प्रकाशन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ	7
• बागवानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री (क्यूपीएम) के उत्पादन पर मैनेज प्रशिक्षण कार्यक्रम	8
• मैनेज में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया	8
• ओडिशा बागवानी किसानों और अधिकारियों के लिए वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण	9
• कार्तिक माह में वनभोजन उत्सव का आयोजन किया गया	9
• मैनेज रिफ्रेशर प्रशिक्षण: कृषि विस्तार में फेसिलिटेशन स्किल्स और डिजिटल नवाचार को बढ़ाना	10
• सतत आजीविका के लिए मधुमक्खी पालन: प्रशिक्षण और नवाचार के माध्यम से ओडिशा कृषि अधिकारियों को सशक्त बनाना	11
• मैनेज में संविधान दिवस समारोह	11
• मैनेज शनिवार वेबिनार	12
• फेसिलिटेटर्स कॉर्नर	13
• प्रेस में मैनेज	14
• पीजीडीएम-एबीएम वर्ष 2025-2027 के लिए प्रवेश	15

जेएस के दौरे की झलकियां

लिंग-संवेदनशील कृषि विस्तार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: महिला किसानों को सशक्त बनाना

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) और अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म के सहयोग से मैनेज ने दिनांक 5 से 7 नवंबर, 2024 को डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड, अंतरिम महानिदेशक, आईसीआरआईएसएटी और डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी) मैनेज और निदेशक, कृषि विस्तार मैनेज की सम्मानित उपस्थिति में मैनेज में "जेंडर-रिस्पॉन्सिव एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन: ट्रांसफॉर्मिंग प्रैक्टिसेज, पॉलिसीज एंड इंस्टीट्यूशंस" पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में एफएओ, आईसीएआर-आईवीआरआई, मकेरेरे यूनिवर्सिटी, एपीएएआरआई, सीआरआईएसपी, आईएफपीआरआई, आईसीआरआईएसएटी, बायर, द्वारा ई-रजिस्ट्री, जीएफआरएएस, डिजिटल ग्रीन, जे-पीएएल साउथ एशिया, अफ्रीकन सेंटर फॉर फील्ड स्कूल (युगांडा), एचएपीआरआई, ओडिशा मिलेट मिशन, सेवा कोऑपरेटिव और कार्बन मिंट सहित कुल 7 देशों - केन्या, दक्षिण अफ्रीका, वियतनाम, इथियोपिया, कोलंबिया, युगांडा और बहरीन से कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और विकास भागीदारों सहित प्रमुख हितधारकों के बीच संवाद के माध्यम से महिला किसानों को सशक्त बनाने के लिए कृषि विस्तार और सलाहकार सेवाओं (ईएएस) की डिलीवरी में क्रांतिकारी बदलाव लाना था।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड, अंतरिम महानिदेशक आईसीआरआईएसएटी ने कहा, जैसे-जैसे हम कृषि के भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नीतियां और प्रथाएं महिला किसानों और कृषि उद्यमियों का सक्रिय रूप से समर्थन करें, जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज और निदेशक, कृषि विस्तार व प्रशासन, मैनेज ने इस बात पर जोर दिया कि हमें विस्तार संस्थानों के माध्यम से जमीनी स्तर के विस्तार पेशेवरों को सशक्त बनाने और इन संस्थानों से प्राप्त ज्ञान को मुख्यधारा, लिंग-संवेदनशील कृषि में लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समानता ही समाधान है।

लिंग-संवेदनशील कृषि विस्तार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: महिला किसानों को सशक्त बनाना

डॉ. रंजीता पुस्कुर, सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म में साक्ष्य मॉड्यूल लीड और आईआरआरआई में प्रधान वैज्ञानिक, लिंग और आजीविका ने इस बात पर प्रकाश डाला कि, हम जानते हैं कि महिलाओं के पास विस्तार सेवाओं तक पर्याप्त पहुंच नहीं है, लेकिन हम उस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अंतराल को कम करना ठीक है, लेकिन हमें लक्षणों से आगे बढ़ने और डिजिटल विभाजन, कार्यक्रमों के डिजाइन और कार्यान्वयन, जेंडर उत्तरदायी नीतियों जैसे मूल कारणों को संबोधित करने की आवश्यकता है।

इस कार्यशाला में कृषि विस्तार और परामर्श सेवाओं (ईएएस) को अधिक समावेशी और लिंग-संवेदनशील बनाने के लिए नवाचारों की खोज की गई और रणनीतियों की पहचान की गई, जिससे उन अंतरालों को दूर किया जा सके जिनके कारण महिलाओं की आवश्यक कृषि ज्ञान, प्रौद्योगिकियों और संसाधनों तक पहुंच सीमित हो गई थी।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी) ने समापन भाषण में सार्थक परिवर्तन लाने के लिए साक्ष्य-आधारित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण और जमीनी स्तर पर लिंग-संवेदनशील विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए मौजूदा नीतियों, विनियमों और प्रोटोकॉल से परे देखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि स्नातकों में 40-60% महिलाएँ हैं, लेकिन कृषि उद्यमिता में उनकी भागीदारी उल्लेखनीय रूप से घटकर केवल 8% रह गई है।

पीटर बैलेंटाइन इस कार्यशाला के लिए फेसिलिटेटर्स के रूप में कार्यरत हैं, जबकि डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक (लिंग अध्ययन) मैनेज, और डॉ. रंजीता पुस्कुर, सीजीआईएआर जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म में साक्ष्य मॉड्यूल लीड और आईआरआरआई में लिंग और आजीविका के प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यशाला का समन्वयन किया।

कार्यशाला के प्रमुख परिणामों का दृश्य सारांश

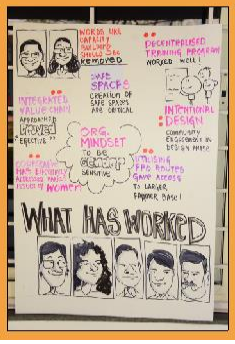

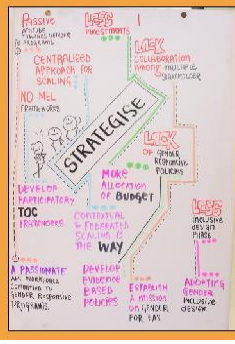

मैनेज राष्ट्रीय कार्यक्रम: उमियाम में कृषि विस्तार में नई दक्षताओं का निर्माण

मैनेज ने दिनांक 11 से 15 नवंबर, 2024 को कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय (सीपीजीएसएएस), उमियम में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (सीएयू) के सहयोग से कृषि विस्तार में "नई दक्षताओं, कैरियर के अवसरों और अनुसंधान प्राथमिकताओं पर राष्ट्रीय युवा पेशेवर विकास कार्यक्रम" का आयोजन किया।

इस उद्घाटन समारोह में डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज के उमियम के सीपीजीएसएएस के प्रभारी डीन डॉ. के. नोरेन सिंह, सामाजिक विज्ञान स्कूल (एसएसएस) की प्रभारी प्रमुख डॉ. बिनोदिनी सेठी, एसएसएस के सहायक प्रोफेसर डॉ. पी एम एन रानी, एसएसएस के प्रोफेसर डॉ. एल देवरानी और एसएसएस के सहायक प्रोफेसर डॉ. एम बी टेंगली भी उपस्थिति थी।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विस्तार में युवा पेशेवरों, विद्वानों और संकाय को क्षेत्र में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना था। मुख्य विषय थे नीतिगत जुड़ाव, निगरानी और मूल्यांकन अनुसंधान प्राथमिकताएँ, वैश्विक अवसर, उद्यमिता, विस्तार में आईसीटी और पाठ्यक्रम विकास। पूरे भारत के सात राज्यों से कुल 54 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस प्रशिक्षण के दौरान, सत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने, विस्तार प्रथाओं को आधुनिक बनाने तथा प्रतिभागियों को दूरदर्शी समाधानों के साथ वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन) मैनेज ने डॉ. एस. राहाल्या, मैनेज फेलो और डॉ. महेश बी. टेंगली, कार्यक्रम समन्वयक, सीएयू के समन्वय के साथ इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

मैनेज: जम्मू और कश्मीर में सतत विकास के लिए क्षमता निर्माण के माध्यम से एफपीओ को सशक्त बनाना

जम्मू और कश्मीर सरकार एचएडीपी और जेकेसीआईपी के तहत "जम्मू और कश्मीर में आर्थिक रूप से व्यवहार्य और आत्मनिर्भर एफपीओ को बढ़ावा देने" नामक एक कार्यक्रम को लागू कर रही है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, मैनेज को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र में मौजूदा और नवगठित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सीईओ और निदेशक मंडल (अध्यक्षों) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु परामर्श कार्य सौंपा गया है।

इस पहल के तहत कश्मीर क्षेत्र के लिए कार्यक्रम का पहला चरण आधिकारिक तौर पर दिनांक 4 नवंबर, 2024 को शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन एसकेयूएएसटी - कश्मीर के सम्मानित कुलपति प्रो. नाजी ने निदेशक (कृषि), कश्मीर और प्रो. मसूद सलीम मीर, नोडल अधिकारी की उपस्थिति में किया।

डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, निदेशक (निगरानी एवं मूल्यांकन) और डॉ. वेंकट राव, सहायक निदेशक ने मैनेज का प्रतिनिधित्व किया। उनके साथ एचएडीपी और जेकेसीआईपी, जम्मू और कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

नवंबर माह में श्रीनगर क्षेत्र में प्रशिक्षकों के लिए कुल आठ प्रशिक्षण (क्षमता निर्माण) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें कृषि, बागवानी, पशुपालन और भेड़पालन विभागों के 240 विस्तार कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इन कार्यक्रमों में समूह गठन, कानूनी और वैधानिक अनुपालन, व्यवसाय योजना विकास और बाजार संबंध जैसे विषयों को शामिल किया गया।

विशेषज्ञ पैनल में एपीएमएएस, सह्याद्री एफपीसी, ईटीसी सस्टेनेबल फाउंडेशन और विभिन्न स्टार्टअप जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के क्षेत्र व्यवसायी और विकास पेशेवर शामिल थे।

जम्मू क्षेत्र के लिए शेष कार्यक्रम दिसंबर 2024 में आयोजित किए जाने हैं। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के कौशल को बढ़ाना है, उन्हें किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन, प्रबंधन और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक ज्ञान से लैस करना है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम इन व्यक्तियों को 'आईओटी' के रूप में विकसित करना चाहता है, जिससे वे जम्मू और कश्मीर में एफपीओ के सतत विकास और प्रभावी प्रबंधन का समर्थन करने में सक्षम हो सकें।

कृषि में कार्बन क्रेडिट पर राष्ट्रीय कार्यशाला

मैनेज ने दिनांक 12 से 13 नवंबर, 2024 को 2 दिवसीय "कृषि में कार्बन क्रेडिट पर राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के 5 राज्यों के निदेशक, बागवानी के उप निदेशक, परियोजना समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, वैज्ञानिक और कार्बन क्रेडिट फील्ड अधिकारियों सहित कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में कृषि में कार्बन क्रेडिट की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रमुख अवसरों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। इसमें कार्बन प्रबंधन प्रथाओं को शामिल किया गया, जिसमें जीएचजी अकाउंटिंग और फुटप्रिंटिंग शामिल है, और सस्टेनेबल राइस इनिशिएटिव की खोज की गई, जिसका उद्देश्य कार्बन क्रेडिट के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाना है।

कार्बन क्रेडिटिंग और ट्रेडिंग में बूममित्रा की पहलों के साथ-साथ कार्बन अवशोषण को बढ़ाने और उत्सर्जन को कम करने में उनकी भूमिका के लिए आईटीसी के जलवायु-स्मार्ट कृषि कार्यक्रमों की जांच की गई।

इस कार्यक्रम में किसान कल्याण के लिए भारत सरकार की योजनाओं की समीक्षा की गई, साथ ही खाद्य और कृषि में कार्बन क्रेडिट पर राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों की भी समीक्षा की गई। कार्बन खेती में निवेश के अवसर, कार्बन क्रेडिट का मूल्य निर्धारण और मूल्यांकन, बाजार की गतिशीलता और कार्बन ट्रेडिंग में प्रमुख खिलाड़ियों जैसे विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें एशिया में टिकाऊ कृषि पद्धतियों और अधिक स्थिरता के लिए चावल की खेती को डीकार्बोनाइज करने के प्रयासों पर जोर दिया गया।

डॉ. एन. बालसुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए), मैनेज और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. श्रीलक्ष्मी.सी (अकादमिक एसोसिएट), मैनेज ने कार्यक्रम का निर्देशन किया।

मैनेज को उत्कृष्ट हिंदी भाषा कार्यान्वयन तथा तकनीकी प्रकाशन हेतु पुरस्कार प्राप्त हुआ

मैनेज को दिनांक 14 नवंबर, 2024 को नराकास-4 अध्यक्ष कार्यालय यथा महाप्रबंधक कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, रेल निलयम, सिकंदराबाद द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन हेतु द्वितीय सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन कार्यालय तथा संस्थान की गृह पत्रिका "मैनेज अंकुर" को प्रथम सर्वश्रेष्ठ तकनीकी मुद्रित पत्रिका का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

यह सम्मान सरकारी प्रकाशनों, संचार और तकनीकी सामग्री में कार्यालयीन भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग और प्रचार में उत्कृष्टता के लिए दिया गया है, साथ ही मैनेज अंकुर के माध्यम से प्रभावशाली पहुंच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

संपूर्ण मैनेज टीम को उनकी कड़ी मेहनत के लिए टॉलिक-4 को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह पुरस्कार मैनेज के निदेशक, (निगरानी और मूल्यांकन) एवं राजभाषा अधिकारी, डॉ. के.सी. गुम्मागोलमठ, तथा मैनेज के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. के. श्रीवल्ली, ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मैनेज के राजभाषा कर्मी तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

बागवानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री (क्यूपीएम) के उत्पादन पर मैनेज प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज ने दिनांक 4 नवंबर से 11 नवंबर, 2024 तक बागवानी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री (क्यूपीएम) के उत्पादन पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के 21 किसानों और 24 बागवानी अधिकारियों सहित 45 प्रतिभागियों का एक विविध समूह एक साथ जूटे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बागवानी से संबंधित विषयों की एक श्रृंखला के माध्यम से प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना था।

इस प्रशिक्षण में बागवानी में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री (क्यूपीएम) की आवश्यकता, बीज संग्रह, निष्कर्षण और भंडारण में अच्छे अभ्यास और रोपण सामग्री स्रोतों की पहचान जैसे आवश्यक क्षेत्रों को शामिल किया गया। इन प्रतिभागियों ने वानस्पतिक प्रसार विधियों, गुणवत्तापूर्ण रोपण स्टॉक उत्पादन में जैव-उर्वरकों की भूमिका और नर्सरी प्रबंधन, बीज परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन, बागवानी फसलों में बीज उत्पादन तकनीक और आनुवंशिक एकरूपता और उच्च पैदावार सुनिश्चित करने के लिए फल फसलों में मातृ पौधों के चयन के बारे में सीखा।

इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में बागवानी नर्सरी प्रबंधन में सरकारी नियमों और बागवानी को समर्थन देने में एनएचबी और नाबार्ड जैसे संगठनों की भूमिका पर चर्चा की गई। इसके अलावा इन प्रतिभागियों ने उत्कृष्टता केंद्रों और बागवानी विभागों का दौरा किया, साथ ही मिश्रित फसल, जैविक खेती और जल-बचत प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ-साथ सीखने के अनुभव को समृद्ध किया। डॉ. कृष्ण रेड्डी, निदेशक (आईसीटी) मैनेज ने इस कार्यक्रम का निर्देशन किया।

मैनेज ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

मैनेज ने दिनांक 28 अक्टूबर से 03 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस सप्ताह की शुरुआत मैनेज के निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन) डॉ. सरवणन राज द्वारा दिलाई गई "ईमानदारी शपथ" से हुई। मैनेज के निदेशक (कृषि विपणन) और सतर्कता अधिकारी डॉ. शैलेंद्र ने हिंदी में शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य और कर्मचारियों ने भाग लिया और एक साथ ईमानदारी की शपथ ली।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में, श्री श्यामला राव, एनआईआरडीपीआर ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2024 को मैनेज में "सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर ध्यान केंद्रित करने वाली खरीद" पर एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान में सरकारी खरीदारों को सत्यापित विक्रेताओं से जोड़कर कुशल, पारदर्शी और लागत प्रभावी सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

वक्ता ने पोर्टल का प्रदर्शन किया, मूल्य तुलना, समय पर डिलीवरी और जवाबदेही के लिए इसकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया और प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर दिया। सत्र में विभिन्न विभागों के मैनेज स्टाफ ने भाग लिया।

दिनांक 1 नवंबर, 2024 को समापन समारोह में "राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार वितरण शामिल था। संकाय सदस्यों ने भ्रष्टाचार से निपटने के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. शैलेंद्र, निदेशक (कृषि विपणन) और सतर्कता अधिकारी, मैनेज ने सतर्कता सप्ताह के दौरान सभी सत्रों का समन्वय किया।

ओडिशा बागवानी किसानों और अधिकारियों के लिए वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण

मैनेज ने दिनांक 14 से 21 नवंबर, 2024 को ओडिशा सरकार के बागवानी विस्तार कार्मिकों/किसानों के लिए वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में ओडिशा राज्य के कुल 25 प्रगतिशील किसानों और 26 बागवानी अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में बागवानी में गुणवत्तापूर्ण बीज सामग्री की अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें बीज संग्रह, निष्कर्षण और भंडारण के लिए सर्वोत्तम अभ्यास शामिल थे। इसमें गुणवत्तापूर्ण बीजों के लिए विश्वसनीय स्रोतों की पहचान करना शामिल था और इसमें बीज गुणवत्ता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं और मुलुंगु, सिद्दीपेट में फलों के लिए उत्कृष्टता केंद्र का दौरा शामिल था।

इसके अतिरिक्त, इसमें नर्सरी प्रबंधन तकनीक, कीट और रोग प्रबंधन, तथा एनएचबी, नाबार्ड और बागवानी को समर्थन देने में अन्य सरकारी एजेंसियों की भूमिका का पता लगाया गया। इन प्रतिभागियों ने हैदराबाद के जीडीमेटला में फूलों और सब्जियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, हैदराबाद के दुलापल्ली में भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद और नरसापुर में एक जैविक एकीकृत खेत का दौरा किया।

इस प्रशिक्षण में सरकारी नियमों, नर्सरी अधिनियमों और नर्सरी के लिए जल प्रबंधन और सिंचाई प्रणालियों पर चर्चा शामिल थी। डॉ. के. कृष्ण रेड्डी, निदेशक (आईसीटी), मैनेज ने श्री पी. शरत कुमार, वरिष्ठ विशेषज्ञ (डिजिटल कृषि) और सुश्री किरणमयी, अकादमिक एसोसिएट, मैनेज के साथ कार्यक्रम का निर्देशन किया।

कार्तिक माह में वनभोजन उत्सव का आयोजन

मैनेज ने दिनांक 27 नवंबर, 2024 को कार्तिक मास वनभोजन महोत्सव मनाया, जिसका आयोजन मैनेज की महिला कर्मचारियों द्वारा किया गया, जो कि कार्तिक के पवित्र महीने में सामुदायिक भोजन की एक परंपरा है।

इस अवसर पर, सभी मैनेज कर्मचारी हरे-भरे लॉन पर एकत्र हुए और पूजा-अर्चना कर तथा एक साथ भोजन करके त्योहार मनाया।

डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन) मैनेज ने पूजा की, उसके बाद अन्य संकाय सदस्यों ने भी पूजा की। इस समारोह में मैनेज के सभी संकाय, कर्मचारी, कन्सलटेंट और मैनेज फेलो शामिल हुए।

मैनेज फैसिलिटेटर्स के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण:
कृषि-विस्तार में फैसिलिटेशन स्कील और डिजिटल नवाचार को बढ़ाना

मैनेज ने दिनांक 19 से 22 नवंबर, 2024 को मैनेज फैसिलिटेटर्स के लिए 4 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश के कृषि विभागों, अनुसंधान संगठनों और कृषि विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों सहित कुल 32 फैसिलिटेटर्स ने भाग लिया।

कर्मयोगी भारत और कृषि विस्तार व्यवस्था में सुधार के लिए विशिष्ट रुप रेखा को अपनाने पर विचार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान चर्चा की गई रणनीतियों और समाधानों को लागू करने के लिए एक बैक-एट-वर्क योजना तैयार की। प्रतिभागियों ने स्टार्टअप और ग्रामीण उद्यमों की प्रगति जानने के लिए ही हब और एन आई आर डी एंड पीआर का भी दौरा किया।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक प्रभारी ने अपने उद्घाटन भाषण में योजनाओं, शोध, प्रशिक्षण और शैक्षिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में मैनेज फैसिलिटेटर्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता, संचार और सोशल मीडिया चैनलों का उपयोग और केंद्रित सहयोगात्मक शोध से फैसिलिटेटर्स की भागीदारी में सुधार होगा।

इन प्रतिभागियों ने अपनी उपलब्धियों, अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया और मैनेज केंद्र प्रमुखों ने गतिविधियों में उनकी भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए उनके साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में फेसिलिटेशन कौशल को बढ़ाने, कृषि में डिजिटल नवाचारों का महानिदेशक प्रभारी ने इस बात की पुष्टि की कि मैनेज फेसिलिटेटर्स के योगदान को बहुत महत्व देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रिफ्रेशर कार्यक्रम प्रेरणा और प्रोत्साहन के स्रोत के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मैनेज लगातार विस्तार कर रहा है और इसमें टीमवर्क और साझेदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस कार्यक्रम में सभी मैनेज केंद्र प्रमुख और संकाय सदस्य उपस्थित थे, जहां उन्होंने अपने विचार साझा किए और चल रही नवीनतम गतिविधियों पर जानकारी प्रदान की। डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु ए., उप निदेशक (केएम), ने मैनेज फेलो डॉ. निधि शर्मा के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया।

सतत आजीविका के लिए मधुमक्खी पालन: ओडिशा कृषि अधिकारियों को सशक्त बनाना

मैनेज ने दिनांक 25 नवंबर से 2 दिसंबर, 2024 तक "स्थायी आजीविका के लिए मधुमक्खी पालन" पर 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के कृषि विभाग के कुल 40 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और आजीविका संवर्धन में मधुमक्खी पालन की भूमिका की व्यापक समझ प्रदान करना था।

इन प्रतिभागियों ने मधुमक्खियों की बीमारियों, परागण, व्यवसाय नियोजन, शहद उत्पादन और विपणन रणनीतियों के बारे में सीखा। इस कार्यक्रम में मधुमक्खी पालन के महत्व, परागण प्रथाओं, मधुमक्खी रोग प्रबंधन और मधुमक्खी पालन के आर्थिक पहलुओं जैसे व्यवसाय नियोजन और विपणन रणनीतियों जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उद्यमशीलता के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रतिभागियों ने तेलंगाना, शिवरेड्डीपेट, विकाराबाद और एनआईआरडी एंड पीआर में बी फ्रेश हनी बी फार्म का दौरा किया।

उद्घाटन के अवसर पर डॉ. के. साई माहेश्वरी, सहायक निदेशक, मैनेज मौजूद थीं और उन्होंने अधिकारियों के साथ अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। डॉ. शाहजी फंड, उप निदेशक (कृषि संबद्ध विस्तार) मैनेज ने सह-समन्वयक डॉ. सुश्रीरेखा दास, मैनेज फेलो के साथ कार्यक्रम का निर्देशन किया

मैनेज में संविधान दिवस समारोह

दिनांक 26 नवंबर, 2024 को, मैनेज ने संविधान दिवस मनाया, जो भारत के संविधान को अपनाने का सम्मान करने और इसके मूल मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

इस कार्यक्रम में मैनेज के कर्मचारी एकत्रित हुए, जिन्होंने सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना पढ़ी तथा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व - जो हमारे राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं - के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

प्रस्तावना का अंग्रेजी संस्करण डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार एवं प्रशासन), मैनेज द्वारा पढ़ा गया, और डॉ. के. श्रीवल्ली, सहायक निदेशक (राजभाषा), मैनेज ने इसका हिंदी संस्करण पढ़ा।

मैनेज शनिवार वेबिनार

Startups in Carbon Markets and Credits

MANAGE conducted a webinar on 'Startups in Carbon Markets and Credits' on November 2, 2024, featuring Mr. Shankar M.K, Founder and CEO of ErSta Eco Pvt Ltd, and Mr. M. Venkata Ramana, Founder and CEO of Blue Lotus Solutions Climate Tech Pvt Ltd, as key speakers. The webinar explored how innovative startups are transforming carbon markets with sustainable solutions, enabling efficient carbon credit trading, fostering environmental responsibility, and driving global climate action while creating economic opportunities. **To watch it, click on this link or scan the QR code: http://surl.li/bgyipt**

Agri-Startups in Mitigating Climate Change

MANAGE organized a webinar on 'Agri Startups in Mitigating Climate Change' on November 09, 2024, featuring Mr. Yash Jain, Climate Finance Leader,Mittilabs, and Ms. Meenakshi Bhoopalan, Co-founder,EETA Sustainable Solutions, as key speakers. The webinar highlighted how agricultural startups drive climate action through innovation, sustainable practices, and advanced technologies. Participants learned about role of these startups and their impact on reducing emissions, enhancing soil health, and fostering sustainable livelihoods. **To watch it, click on this link or scan the QR code: http://surl.li/kyxyvg**

Millet Value Chain

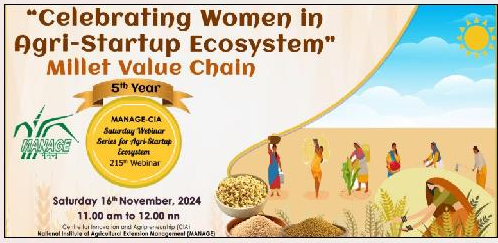

MANAGE organized a webinar on 'Millet Value Chain' on November 16, 2024, led by Dr. Tanushree Singh, Founder & CEO, Bazic.in, Ms. Sanjeeta Krishna Kumar, Founder, OGMO Foods, and Ms. Sharmilla Oswal, MD & Founder, Gudmom, Millet Woman of Indi, as a key speakers. The webinar showcased how women entrepreneurs are driving sustainability, climate resilience, and economic empowerment through innovations in millet production, processing, and market development. **To watch it, click on this link or scan the QR code: http://surl.li/kizdqj**

Digital Marketing Startups in Agriculture

MANAGE organized a webinar on 'Digital Marketing Startups in Agriculture' on November 23, 2024, with Ms. Indrani Dwarampudi, Founder and CEO, Berry Ads and Branding, and Ms. Amulya Penmetcha, Founder and Creative Director, Wild Flower Digital as a main speakers. The webinar explored how women entrepreneurs are leveraging technology and innovative strategies to bridge the gap between farmers and markets, enhancing visibility and driving growth in the agricultural ecosystem. **To watch it, click on this link or scan the QR code: http://surl.li/gxqqxk**

Smart Farming: AI/ML/IoT Innovations Transforming Agriculture

MANAGE organized a webinar on 'Smart farming: AI/ML/IoT Innovations Transforming Agriculture' on November 30, 2024, featuring Ms. Shahnaz Shaikh, Founder and CEO of AI-Genix International Pvt Ltd, and Ms. Kalyani Shinde, Founder and CEO of Godaam Innovations as a key speakers . The webinar highlighted how AI, ML, and IoT are enabling farmers to optimize resources, improve yields, and enhance sustainability, transforming the future of smart farming and empowering the agri-ecosystem. **To watch it, click on this link or scan the QR code: http://surl.li/kweqaa**

मैनेज फेसिलिटेटर्स कॉर्नर

मैनेज ने अपने राष्ट्रीय फेसिलिटेटर्स विकास कार्यक्रम (एनईडीपी) के माध्यम से भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए 125 राष्ट्रीय फेसिलिटेटर्स का एक नेटवर्क स्थापित किया है। ये सुविधादाता कृषि विस्तार कार्यक्रमों, भारत सरकार की योजनाओं को लागू करने और अपने-अपने राज्यों में मैनेज के कार्यक्रमों को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैनेज फेसिलिटेटर कॉर्नर में मैनेज फेसिलिटेटर के महत्वपूर्ण योगदान और गतिविधियों को दर्शाया गया है।

इंजीनियर अजय सराफ: प्राकृतिक और पारिस्थितिक खेती के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाना:

इंजी. अजय सराफ, मैनेज फैसिलिटेटर, कृषि इंजीनियर और नैटकैप जियोपोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर, महाराष्ट्र के कार्यकारी निदेशक, वर्ष 2013 से प्राकृतिक और पारिस्थितिक खेती को बढ़ावा देने में जूटी हैं। उनका दृष्टिकोण खेत के जैव-अपशिष्ट को पुनर्चक्रित करने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और कृषि प्रथाओं को प्राकृतिक के साथ संरेखित करने पर केंद्रित है। उनके प्रयासों से, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में 300 से अधिक छोटे प्रोजेक्ट प्लॉट विकसित किए गए हैं, जिनमें रासायनिक उर्वरकों के बजाय गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़ और देशी बीजों जैसे जैविक इनपुट से समृद्ध उभरी हुई क्यारियों का उपयोग किया गया है।

इस पद्धति से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और मोरिंगा, टमाटर और तरबूज जैसी फसलें पैदा हुई हैं, जिससे किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिला है।

डॉ. परवीन कुमार: केवीके - स्टूडेंट कनेक्ट कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को संवेदनशील बनाना:

डॉ. प्रवीण कुमार, एसएमएस (नाग. एक्सटेंशन) केवीके-रामभम, स्कोच-जम्मू और मैनेज फैसिलिटेटर ने दिनांक 07 अक्टूबर, 2024 को केवीके-छात्र कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की कृषि पद्धतियों से जोड़ना, उन्हें विभिन्न टिकाऊ उत्पादन तकनीकों के बारे में जागरूक करना और प्रशिक्षित करना है। केवीके-रामबन, धलवास, विस्तार निदेशालय, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू ने स्कूली छात्रों के लिए केवीके-रामबन परिसर का दौरा आयोजित किया। इस दौरे में कुल 21 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इन छात्रों को व्यावहारिक अभ्यास और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान की गई, जिससे यह एक यादगार कार्यक्रम बन गया।

MANAGE Concludes International Workshop on Gender-Responsive Agricultural Extension

DECCCAN NEWS SERVICE
HYDERABAD

The National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE), in collaboration with the International Rice Research Institute (IRRI) and the CGIAR Gender Impact Platform, concluded a three-day international workshop titled "Gender-Responsive Agricultural Extension: Transforming Practices, Policies, and Institutions" from November 5–7, 2024, at MANAGE.

The workshop featured prominent speakers, including Dr. Stanford Blade, Interim Director General of ICRISAT, and Dr. Saravanan Raj, Director General (I/C) and Director of Administration & Agricultural Extension at MANAGE. Thirty participants representing global organizations such as FAO, ICAR-IVRI, APAARI, CRISP, IFPRI, ICRISAT, Digital Green, J-PAL South Asia, African Centre for Field School (Uganda), HAPRI, and SEWA Cooperative, from 10 countries, attended. The event aimed to transform agricultural extension and advisory services (EAS) to empower women farmers through dialogue among policymakers, researchers, practitioners, and development partners. Dr. Blade emphasized the importance of gender-responsive policies to support women farmers as transformative forces in agriculture, while Dr. Raj stressed empowering grassroots extension professionals to mainstream gender equity in agriculture. Dr. Ranjitha Puskur from the CGIAR GENDER Impact Platform highlighted the need to address root causes, such as the digital divide and program design, for effective gender-responsive policies. The workshop explored strategies to enhance inclusivity in EAS, overcoming barriers to women's access to agricultural knowledge, technologies, and resources. Peter Ballantyne facilitated the event, with coordination by Dr. Veenita Kumari of MANAGE and Dr. Puskur from IRRI.

MANAGE IN PRESS

THE SOUTH INDIA TIMES

International Workshop on Gender-Responsive Agricultural Extension at MANAGE concludes

Hyderabad: A three-day international workshop on 'Gender-Responsive Agricultural Extension: Transforming Practices, Policies, and Institutions' at MANAGE organized by the National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE) in collaboration with the International Rice Research Institute (IRRI) and the CGIAR Gender Impact Platform concluded here on Thursday. The workshop was held in the presence of Interim Director General, ICRISAT Dr. Stanford Blade and Director General (I/C) and Director (Administration & Agricultural Extension) at MANAGE. A total of 30 participants from organizations including FAO, ICAR-IVRI, APAARI, CRISP, IFPRI, ICRISAT, Digital Green, J-PAL South Asia, African Centre for Field School (Uganda), HAPRI,SEWA Cooperative from 10 countries participated in the workshop. The workshop was aimed at revolutionizing the delivery of agricultural Extension and Advisory Services (EAS) to empower women farmers through a dynamic dialogue among key stakeholders, including policymakers, researchers, practitioners, and development partners. The workshop explored innovations and identified strategies to make agricultural extension and advisory services (EAS) more inclusive and gender-responsive, addressing gaps that had limited women's access to essential agricultural knowledge, technologies, and resources. Peter Ballantyne, Deputy Director (Gender Studies), MANAGE Dr.VeenitaKumari, and Evidence Module Lead, CGIAR GENDER Impact Platform and Principal Scientist of Gender and Livelihoods, IRRI Dr.Ranjitha Puskur also participated in the valedictory.

हैदराबाद संस्करण
8 नवंबर, 2024 पेज संख्या 5
द्वारा संचालित: erelego.com

వ్యవసాయ రంగంలో పురుషులతో సమానంగా మహిళలకు సమాన అవకాశాలు కల్పించాలి

'Journalism is an effective tool for timely transfer of agricultural information'

The Hindu Bureau
HUBBALLI

B.D. Biradar, director of research and director of extension, University of Agricultural Sciences (UAS), Dharwad, said that effective and timely transfer of required agricultural information was possible through the medium of journalism.

He was speaking at the virtual inauguration of the collaborative three-day 'online training programme on agricultural journalism for effective transfer of technology' for the officers of Department of Agriculture and allied sectors, students, and others from Dharwad on Wednesday.

"Knowledge is power. Persons with latest information and knowledge is considered to be rich and society gives respect to them than a person having Immovable property and material possessions", he said urging the participants to make full use of the programme and prune their journalism skills.

Dy. Director (KM), MANAGE, Hyderabad, and course co-ordinator Shrinivasacharyulu Attaluri highlighted the role of MANAGE in Human Resource development for the welfare of the farming community. He requested the participants to register for the regular programmes organised by MANAGE to update their knowledge in transfer of agricultural technology.

Welcoming the participants, professor of Department of Agricultural Extension, College of Agriculture, Dharwad, and course co-ordinator Sunil V. Halakatti briefed about the objectives and purpose of the training programme.

Over 120 participants from 14 States have registered for the training programme. The programme includes lectures by experts on various aspects.

CHANGE OF NAME

CHANGE OF NAME

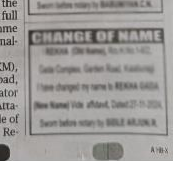

NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT (MANAGE)
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT
(AGRI-BUSINESS MANAGEMENT 2025-2027)

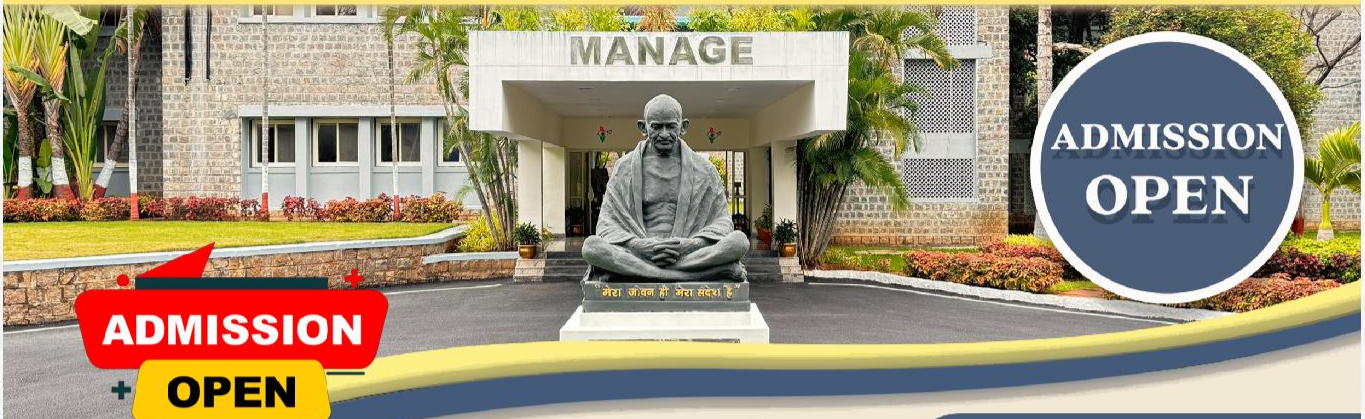

ADMISSION + OPEN

HIGHLIGHTS

Pioneer in Agri-Business Management, 28 years of excellence Recognised by AICTE

- Strong Industry Interface
- 1200+ Alumni base
- State-of-the-art infrastructure
- Diverse Students Profiles
- Good Return on Investment
- Case Oriented Pedagogy
- International Exposure Visit
- Lush green campus
- Well-equipped library
- Excellent sports facilities

* * * * *

ACHIEVEMENTS

★★★★★

Outlook

1st Top featured sectoral (Agricultural) B-School in India

17th Among Top public B-Schools in India

FORTUNE INDIA

47th Best (Overall) B-School in India

8th Best B-School in South Zone

1st Best B-School in Hyderabad

THE WEEK

1st Best B-School in Hyderabad

7th Best B-School in South Zone

INDIA TODAY

12th Top 15 Standalone Government B-Schools

3rd Top 5 Best B-Schools in South Zone

ELIGIBILITY

Bachelor's degree from a recognized University or Institute with at least 50% marks or equivalent CGPA (45% in case of SC/ST candidates) in Agricultural sciences or Agricultural related disciplines (A minimum of 4 year degree).

The candidate must have a valid CAT score 2024.

Last Date for Receipt of Application is 10th February, 2025
Application Fee: Rs. 600/- (Rs. 200/- for SC & ST Candidates)

PLACEMENT HIGHLIGHTS

100% Placement Record

Highest CTC	Average CTC	Median CTC
20 LPA	12.33 LPA	11 LPA

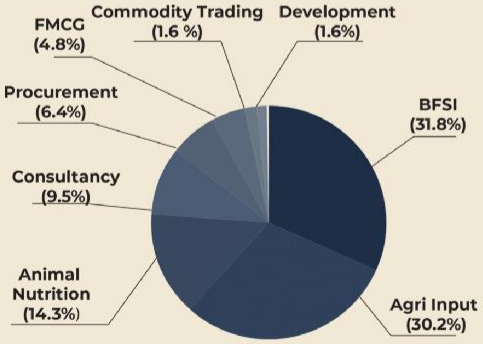

Placement Record (2022-24)

PRINCIPAL COORDINATOR PGDM (ABM)
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT (MANAGE)
(An Autonomous Organisation of Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad - 500030, Telangana State, India
Contact: 9848538275, 9887368433, 9561307116 ; Email:pgcell@manage.gov.in
Website: www.manage.gov.in

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. योगिता राणा, आईएएस
महानिदेशक, मैनेज एवं संयुक्त सचिव (आईएनएम),
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग,
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: **www.manage.gov.in**

मुख्य संपादक
डॉ. सरवणन राज
निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अत्तलूरी
उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद
डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज
सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स
श्री कृष्णा दाभोलकर,
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज